हिन्दुस्तान

स्वागतम्...

विश्व के सबसे प्रभावशाली समूह जी20 के शिखर सम्मेलन की मेजबानी के लिए हमारा देश तैयार है। यह नया भारत है, जो सबसे कठिन दौर में दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। असहमतियों के दौर में सहमति और समाधान पर जोर दे रहा है। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' और 'अतिथि देवो भव:' की अपनी शाश्वत रीति-नीति पर आगे बढ़ते हुए नया भारत दुनियाभर के दिग्गजों का स्वागत कर रहा है।

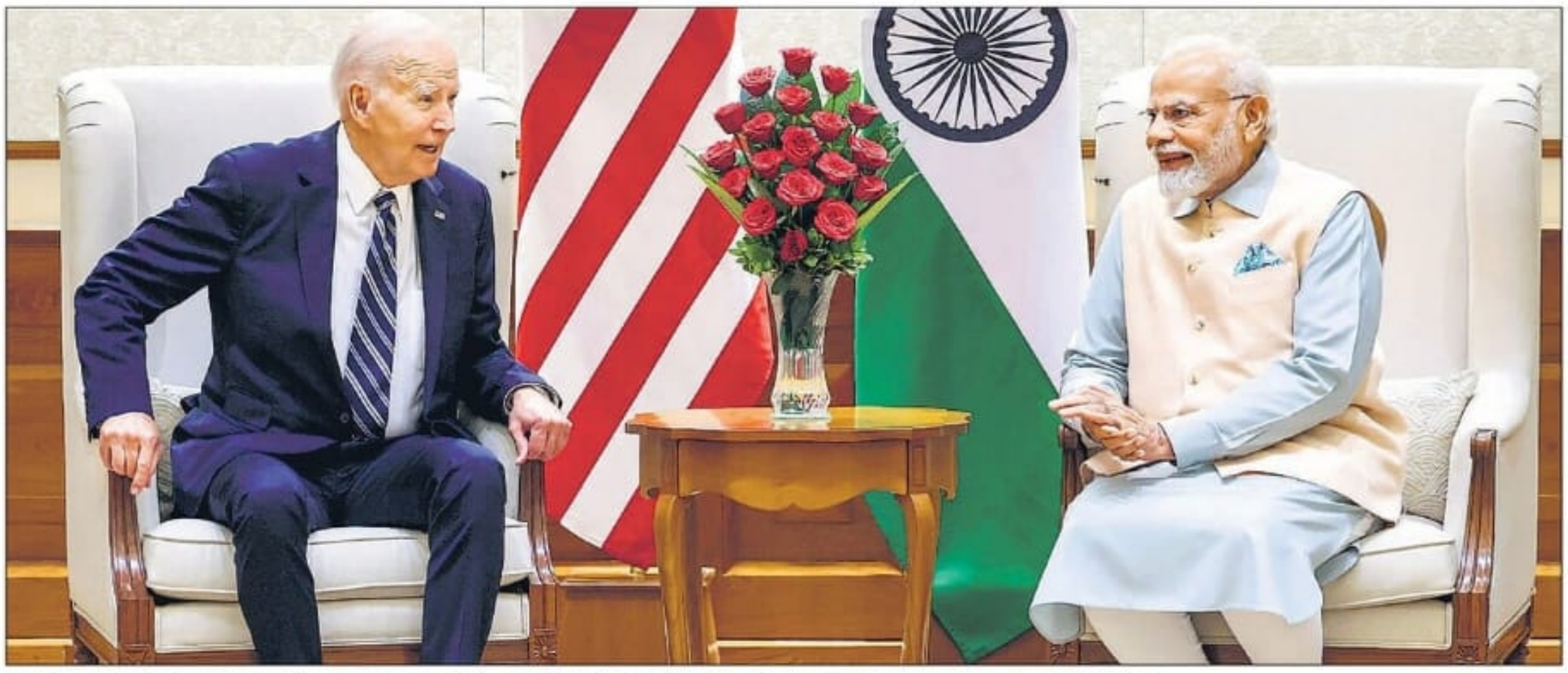

जी20 शिखर सम्मेलन के लिए कई सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्ष और प्रतिनिधि शुक्रवार को दिल्ली पहुंचे। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ बैठक करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। ● प्रेट

नई दिल्ली, विशेष संवाददाता। दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों के संगठन की बैठक के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा समेत ज्यादातर राष्ट्राध्यक्ष शुक्रवार को दिल्ली पहुंचे। शिखर सम्मेलन में समावेशी आर्थिक विकास, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, जलवायु वित्त पोषण से जुड़े मुद्दों पर गहन चर्चा होगी। सम्मेलन में 40 देशों के नेता एवं अंतरराष्ट्रीय संगठनों के पदाधिकारी हिस्सा ले रहे हैं। चीन और रूस के राष्ट्राध्यक्ष स्वयं शामिल नहीं हो रहे हैं, लेकिन इनके प्रतिनिधि मौजूद हैं।

प्रधानमंत्री ने भरोसा जताया : दुनिया के दिग्गज प्रतिनिधियों की मेजबानी से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्वास जताया कि जी20 शिखर सम्मेलन से संतुलित और समावेशी विकास की नई राह तय होगी। लैंगिक समानता, महिला सशक्तीकरण, दुनिया में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक प्रयासों को भी गति मिलेगी।

प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को एक्स पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का उल्लेख करते हुए कहा कि वंचितों और कतार के अंतिम व्यक्ति तक सुविधाएं पहुंचाने के उनके मिशन का अनुकरण करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हम हरित विकास समझौते की प्रगति में तेजी लाना चाहते हैं। तकनीकी परिवर्तन और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे जैसे भविष्य के क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

मोदी ने कहा, भारत की जी 20 की अध्यक्षता 'वसुधैव कुटुम्बकम्' थीम पर आधारित है। यानी एक धरती, एक परिवार और एक भविष्य। भारत का मानना है कि पूरी दुनिया एक परिवार है और सबके साझा हित और चिंताएं हैं। भारत ने ग्लोबल साउथ की चिंताओं को प्रमुखता से उजागर किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि शिखर सम्मेलन में 'एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य' विषय पर सत्र होगा।

सकारात्मक बदलाव की उम्मीदें: शिखर सम्मेलन से पहले जी-20 शेरपा अमिताभ कांत ने कहा कि हम चाहते हैं कि दुनिया जलवायु कार्रवाई और जलवायु वित्तपोषण के संदर्भ में हरित विकास का नेतृत्व करे। पृथ्वी की सतह के वैश्विक तापमान में 1.15 डिग्री की वृद्धि हुई है। वित्त मंत्रालय में आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव अजय सेठ ने कहा, उम्मीद है कि पिछले नौ महीनों में हुई बातचीत पर विश्व के नेतागण सकारात्मक रूप से विचार करेंगे।

65%
आबादी दुनिया की जी 20 देशों में रहती है

85%
जीडीपी का प्रतिनिधित्व करते हैं जी 20 देश

> अगले दो दिनों में विश्व के नेताओं के साथ सार्थक चर्चा की आशा करता हूं। मेरा दृढ़ विश्वास है कि नई दिल्ली जी-20 शिखर सम्मेलन मानव केंद्रित और समावेशी विकास के लिए नया मार्ग प्रशस्त करेगा। पूरी दुनिया एक परिवार है और सबके साझा हित और चिंताएं हैं। –नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

मुद्दे

1 जलवायु परिवर्तन
जी20 सम्मेलन में दुनिया के देश धरती गर्म होने और सतत विकास पर चर्चा कर सकते हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण पिछले कुछ समय में दुनिया भर के देश प्रभावित हुए हैं।

2 आर्थिक विकास
भारत तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है, इसलिए भारत वित्तीय विनियमन और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के उपायों की मांग को मजबूत कर रहा है।

3 डिजिटल अर्थव्यवस्था
भारत डिजिटल अर्थव्यवस्था और तकनीक के क्षेत्र में अधिक सहयोग पर जोर दे रहा। जी20 के देश भारत से डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर की तकनीक पर चर्चा कर सकते हैं।

4 विकासशील देशों को आसान कर्ज
विकासशील देशों को आसान शर्तों पर बहुपक्षीय संस्थानों के माध्यम से कर्ज की पेशकश करने पर चर्चा होगी। इसके लिए इन संस्थानों में सुधार के उपायों पर भी बात होगी।

उम्मीदें

1 सुरक्षा परिषद के लिए दावेदारी
जी 20 के आयोजन में अपनी श्रेष्ठता को बेहतर ढंग से बताकर भारत संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में शामिल होने के लिए मजबूत दावेदारी पेश कर सकता है।

2 क्रिप्टोकरंसी के नियमों पर फैसला
बैठक में क्रिप्टोकरंसी को लेकर ऐसा इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जाना है, जिसमें सभी देश अपने यहां इस पर लगाम लगाने की पुख्ता व्यवस्था तैयार कर सकें।

3 विश्व मंच पर मजबूत साख
जी20 के सफल आयोजन से विश्व मंच पर भारत की साख बढ़ेगी और स्थिति मजबूत होगी। दुनिया के 20 सबसे मजबूत देश इस आयोजन का हिस्सा बन रहे हैं।

4 सूचनाओं के लिए साझा प्लेटफॉर्म
छोटे कारोबारियों को अलग-अलग देशों में व्यापार से जुड़ी सूचनाएं मुहैया कराने के मकसद से डाटाबेस का साझा प्लेटफॉर्म बनाने पर सहमति बन सकती है।

चुनौतियां

1 सबको साथ लेकर चलना
यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध के कारण दुनियाभर में तनाव का माहौल है। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी के लिए दुनिया के देशों से कूटनीतिक रूप से साथ लाने की चुनौती।

2 युद्ध और स्वास्थ्य से जुड़े संकट
रूस-यूक्रेन युद्ध और कोविड से हुए नुकसान के कारण दुनिया में संघर्ष का माहौल। स्वास्थ्य से लेकर आर्थिक तौर पर परेशान दुनिया के लिए हल तलाशना।

3 वैश्विक महंगाई से जंग
पूरी दुनिया में खाने-पीने की वस्तुओं की महंगाई की वजह से वैश्विक स्तर पर छाई मुद्रास्फीति की समस्या और मंदी का खतरा। इसका समाधान खोजना चुनौती होगी।

4 कार्बन उत्सर्जन पर लगाम लगाना
सतत विकास लक्ष्यों के साथ जी-20 के लक्ष्यों को हासिल करना। ऊर्जा संकट से निपटना भी मुश्किल। बढ़ते कार्बन उत्सर्जन पर लगाम लगाने के लिए सहमति बनाना।

दुनिया भारत के साथ

अमेरिका का भारत को समर्थन
अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन जी-20 सम्मेलन में भाग ले रहे हैं। अमेरिका दुनिया की जीडीपी में सबसे ज्यादा 25.46 ट्रिलियन डॉलर योगदान देता है, जो करीब 25.21 फीसदी है।

चीन के प्रधानमंत्री भी शामिल
प्रधानमंत्री ली कियांग चीन की ओर से हिस्सा ले रहे हैं। चीन ग्लोबल जीडीपी में 17.96 (18%) ट्रिलियन डॉलर योगदान देता है, जो अमेरिका के बाद सबसे अधिक है।

जापानी पीएम किशिदा पहुंचे
भारत का दोस्त जापान दुनिया की जीडीपी में 4.23 ट्रिलियन डॉलर देता है। यह दुनिया में चौथी बड़ी हिस्सेदारी है। जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा जी20 में भाग ले रहे हैं।

जर्मन चांसलर हिस्सा लेंगे
जर्मनी के चांसलर ओलाफ स्कोल्ज जी20 सम्मेलन में हिस्सा ले रहे हैं। जर्मनी की दुनिया की जीडीपी में 4.07 ट्रिलियन डॉलर की पांचवी बड़ी हिस्सेदारी है।

सुनक उभरते भारत के मुरीद
ब्रिटेन के पीएम ऋषि सुनक जी20 में भाग लेने पहुंचे। दुनिया की जीडीपी में ब्रिटेन की सातवीं हिस्सेदारी है। ब्रिटेन 3.15 ट्रिलियन डॉलर का योगदान देता है, जो 2.2 फीसदी है।

मैक्रों भारत से सहयोग बढ़ाएंगे
फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भारत से सहयोग बढ़ाने की उम्मीद जताई है। फ्रांस भारत का रक्षा-कारोबारी सहयोगी है। दुनिया की जीडीपी में आठवां बड़ा भागीदार है।

कनाडा से संबंध मजबूत होंगे
कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो भी सम्मेलन में भाग लेंगे। कनाडा जीडीपी के मामलों में 11 वें स्थान पर है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार चार बिलियन डॉलर से अधिक है।

रूसी विदेश मंत्री पुतिन के दूत
रूस जीडीपी योगदान में नौवें नंबर पर है। ग्लोबल जीडीपी में रूस 2.06 ट्रिलियन डॉलर का योगदान देता है। विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव रूस की ओर से सम्मेलन में भाग ले रहे हैं।

संयुक्त घोषणा के लिए सबकी सहमति पर भारत का जोर

प्रयास

■ मदन जैड़ा

नई दिल्ली। भारत ने जी-20 शिखर सम्मेलन के बाद जारी होने वाली संयुक्त घोषणा के लिए सहमति बनाने के प्रयास तेज कर दिए हैं। सूत्रों के अनुसार, रूस-यूक्रेन मामले को बेहद सावधानी के साथ चर्चा के लिए शामिल किया जा रहा है। इसे इस प्रकार संयुक्त घोषणा में शामिल

शेरपा अमिताभ कांत ने कहा कि बाली में भी इस मुद्दे पर चर्चा हुई थी और यहां भी होगी। हालांकि, उन्होंने कहा कि नई दिल्ली लीडर्स डिक्लेयरेशन (संयुक्त घोषणा) लगभग तैयार है और शिखर सम्मेलन में मंजूरी के लिए रखा जाएगा।

तीन विकल्प पर विचार: सूत्रों के अनुसार, रूस-यूक्रेन युद्ध पर संयुक्त घोषणा में सहमति बनाने के लिए तीन विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। एक, इस मुद्दे का जिक्र संयुक्त घोषणा में

इन बिंदुओं पर नजर

1. जी20 शिखर सम्मेलन में रूस-यूक्रेन मुद्दे पर भी चर्चा होगी, क्योंकि इससे विश्व की अर्थव्यवस्था प्रभावित हो रही।
2. रूस-यूक्रेन मुद्दे को संयुक्त घोषणा में ऐसे शामिल किया जाएगा, जिससे रूस, चीन आदि देश को आपत्ति न हो।
3. इंडोनेशिया ने यूक्रेन के राष्ट्रपति को आमंत्रित किया था, लेकिन भारत ने तटस्थ रहते हुए ऐसा कुछ नहीं किया।

वह वास्तव में रूस के यूक्रेन पर हमले की वजह से नहीं हैं, बल्कि पश्चिमी देशों द्वारा रूस पर लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों की वजह से हैं। बाली शिखर वार्ता में इंडोनेशिया ने पश्चिमी देशों के दबाव में यूक्रेन के राष्ट्रपति को आमंत्रित किया था और उन्होंने वर्चुअल रूप से सम्मेलन को संबोधित किया था, लेकिन भारत ने ऐसी कोई कोशिश नहीं की और अपने तटस्थ रुख को कायम रखा।

विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने